an>

Title: The Speaker made references to the passing away of Shri Somnath Chatterjee, former Speaker and Member from 5th to 14th Lok Sabhas; Shri Ananth Kumar, sitting Member and Minister of Chemicals Fertilizers and Minister of Parliamentary Affairs; Dr. Bhola Singh, a sitting Member; Shri M.I. Shanavas, a sitting Member and Shri Mohammad Asrarul Haque, a sitting Member.

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मुझे लोक सभा के पूर्व अध्यक्ष श्री सोमनाथ चटर्जी के दु:खद निधन के बारे में भी सभा को सूचित करना है।

श्री सोमनाथ चटर्जी ने 14वीं लोक सभा के दौरान वर्ष 2004 से वर्ष 2009 तक लोक सभा के अध्यक्ष के रूप में सेवाएं दीं। लोक सभा अध्यक्ष के रूप में स्वयं एक संस्था जैसे रहे श्री चटर्जी विधायिका की गरिमा तथा विश्वसनीयता के प्रतीक थे और उन्होंने संसदीय लोकतंत्र के सर्वोच्च स्थापित मानदंडों के संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य किया। उन्होंने सभा की कार्यवाही का संचालन पूर्ण योग्यता, निष्पक्षता तथा प्रतिष्ठा के साथ किया। उन्हें संसदीय कौशल तथा संसदीय प्रथाओं और प्रक्रियाओं की गहन जानकारी थी, जिसके लिए सभा के सभी सदस्य उनका सम्मान करते थे। उन्होंने संसदीय संग्रहालय (Parliamentary Museum) और लोक सभा टी.वी. की स्थापना की थी। उनके इन कदमों से संसद की कार्यवाही की पहुँच घर-घर तक हो गयी, जिससे लोकतंत्र के सुदृढ़ीकरण में सहायता मिली।

श्री सोमनाथ चटर्जी अपने सिद्धांतों के प्रति अडिग, स्पष्टवादी और संवेदनशील लोक सेवक थे। पक्ष-विपक्ष, सबके मन में उनके लिए सम्मान था। समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए तथा जनसामान्य की समस्याओं के लिए उन्होंने हमेशा अपनी आवाज उठाई।

श्री सोमनाथ चटर्जी को वर्ष 1996 में 'उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार' से विभूषित किया गया और अप्रैल, 2005 में फिलीपींस के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ऑफ द कांग्रेस (पार्लियामेंट) द्वारा 'कांग्रेसनल मेडल ऑफ एचीवमेंट' सम्मान से भी विभूषित किया गया था।

श्री चटर्जी पश्चिम बंगाल के बर्धमान संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से पांचवीं लोक सभा, जादवपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से छठी और सातवीं लोक सभा तथा बोलपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से आठवीं से चौदहवीं लोक सभा के सदस्य थे।

अपने उल्लेखनीय संसदीय कार्यकाल के दौरान, उन्होंने अधीनस्थ विधान संबंधी समिति (Committee on Subordinate Legislation), विशेषाधिकार समिति (Privileges Committee), रेल संबंधी समिति (Committee on Railways) तथा संचार और सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी समिति (Committee on Communications and Information Technology) के सभापति के रूप में कार्य किया।

श्री चटर्जी ने अनेक देशों की यात्रा के दौरान भारतीय संसदीय शिष्टमंडल का नेतृत्व किया और विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारतीय संसद का प्रतिनिधित्व भी किया। मैं भी उनके साथ यात्रा पर गई थी और स्पीकर को अपने डेलीगेशन को कैसे संभालना है, एक प्रकार से यह मैंने उनसे ही सीखा है।

बेबाक कलम एवं साहित्यिक प्रतिभा के धनी श्री चटर्जी ने लोक सभा के प्रकाशन "संसद के 25 वर्ष" और "संसद के 50 वर्ष" सहित कई अग्रणी पत्रिकाओं और प्रकाशनों के लिए धारदार आलेख लिखे।

श्री सोमनाथ चटर्जी का निधन 13 अगस्त, 2018 को कोलकाता, पश्चिम बंगाल में 89 वर्ष की आयु में हुआ।

माननीय सदस्यगण, मुझे सभा को कर्नाटक के बेंगलुरु दक्षिण संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से वर्तमान सभा के सदस्य, हमारे सहयोगी एवं केन्द्रीय रसायन और उर्वरक तथा संसदीय कार्य मंत्री श्री अनंत कुमार के दु:खद निधन के बारे में भी सूचित करना है।

श्री अनन्तकुमार ग्यारहवीं लोक सभा से सोलहवीं लोक सभा तक लगातार छ: बार बेंगलुरु दक्षिण संसदीय क्षेत्र से निर्वाचित हुए थे जो उनकी लोकप्रियता का परिचायक है। उन्होंने वर्ष 1998 से 2003 तक नागर विमानन, पर्यटन और संस्कृति, युवा कार्यक्रम और खेल, आवासन और शहरी कार्य; ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्रालयों के केन्द्रीय मंत्री के रूप में कार्य किया।

एक योग्य संसदविद् श्री अनन्तकुमार ने कोयला और इस्पात, वित्त, रसायन और उर्वरक तथा विदेशी मामलों संबंधी संसदीय स्थायी समितियों के सभापति तथा विभिन्न संसदीय समितियों के सदस्य के रूप में भी कार्य किया।

श्री अनन्तकुमार साहित्यिक प्रतिभा के धनी थे तथा उन्होंने विविध सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों और शिक्षा पर अनेक पुस्तकें लिखीं तथा समाचार-पत्रों और पत्रिकाओं में भी राष्ट्रीय मुद्दों पर लेख लिखे।

श्री अनन्तकुमार ने भारतीय संसदीय शिष्टमंडलों के सदस्य के रूप में कई देशों की यात्राएं की। वे संयुक्त राष्ट्र महासभा को कन्नड़ में संबोधित करने वाले प्रथम भारतीय प्रतिनिधि थे। सौम्य एवं मृदुभाषी, लोकप्रिय, अथक परिश्रमी अनन्तकुमार जी ने संसदीय कार्य मंत्री के रूप में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन अत्यंत कुशलता से और सदैव सबको साथ लेकर चलने के भाव से किया। संसद के तनावपूर्ण क्षणों में भी उनके मनोभावों में सहजता एवं चेहरे पर सौम्य मुस्कान रहती थी। श्री अनन्तकुमार जी कर्तव्य-पथ पर निरन्तर अविरल चलने वाले व्यक्ति थे और इस कारण वे सबके प्रिय भी थे। उनकी कार्य शैली बहुत ही उत्कृष्ट थी।

श्री अनन्तकुमार का निधन 12 नवम्बर, 2018 को बेंगलुरु, कर्नाटक में 59 वर्ष की आयु में हुआ।

माननीय सदस्यगण, मुझे सभा को वर्तमान लोक सभा के हमारे साथी डॉ. भोला सिंह, श्री एम. आई. शानवास एवं श्री मोहम्मद असरारुल हक के दु:खद निधन के बारे में भी सूचित करना है।

डॉ. भोला सिंह बिहार के बेगूसराय संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से वर्तमान सभा के सदस्य थे। वे पन्द्रहवीं लोक सभा के भी सदस्य थे। डॉ. सिंह ने विभिन्न संसदीय समितियों के सदस्य के रूप में कार्य किया। इसके पूर्व, वे आठ बार बिहार विधान सभा के सदस्य रहे जो जनता में उनकी लोकप्रियता का परिचायक है। उन्होंने वर्ष 2003 से 2005 तक बिहार विधान सभा के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया। वे बिहार सरकार में गृह, शिक्षा और शहरी विकास मंत्री भी रहे।

साहित्यिक व्यक्तित्व के धनी डॉ. भोला सिंह ने 'किसान मेरे भगवान हैं', 'मैं प्रवाह हूँ', और 'बेगूसराय' जैसी कई पुस्तकें लिखीं। उन्होंने समाचार-पत्रों के लिए लेख भी लिखे और दूरदर्शन पर पैनल चर्चाओं में अपने सुविचारित मत को दक्षता से रखा। डॉ. भोला सिंह जी की हिन्दी आम जनमानस के हृदय को छूनेवाली सरल, सहज एवं शुद्ध थी। हमने भी उसका कई बार यहां बैठ कर परिचय लिया है। उनका हिन्दी भाषा पर प्रभुत्व था। वंचित वर्गों के कल्याण एवं उत्थान के लिए वे सतत् प्रयत्नशील रहे।

डॉ. भोला सिंह का निधन 79 वर्ष की आयु में नई दिल्ली में 19 अक्टूबर, 2018 को हुआ।

श्री एम. आई. शानवास केरल के वायनाड संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से वर्तमान सभा के सदस्य थे। वे पन्द्रहवीं लोक सभा के भी सदस्य रहे।

श्री शानवास ने अपना राजनैतिक जीवन छात्र राजनीति से प्रारम्भ किया था। वे मानव संसाधन विकास संबंधी संसदीय स्थायी समिति और संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (MPLADS) संबंधी समिति के भी सदस्य थे तथा उन्होंने पन्द्रहवीं लोक सभा के दौरान वाणिज्य संबंधी संसदीय समिति के सदस्य के रूप में भी अपनी सेवाएं प्रदान कीं। उनकी पहचान लोक सभा के सजग एवं सक्रिय सदस्य के रूप में होती थी।

श्री एम. आई. शानवास का निधन 21 नवम्बर, 2018 को 67 वर्ष की आयु में चेन्नई में हुआ।

श्री मोहम्मद असरारुल हक बिहार के किशनगंज संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से वर्तमान सभा के सदस्य थे। वे पन्द्रहवीं लोक सभा के भी सदस्य रहे।

श्री असरारुल हक गृह कार्य संबंधी समिति एवं उद्योग संबंधी समिति के सदस्य थे। एक सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता एवं लेखक के रूप में उन्होंने विविध सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं धार्मिक मुद्दों पर उर्दू अखबारों में लेख एवं कई पुस्तकें लिखीं जिनमें 'इस्लाम और मुसलमानों की जिम्मेदारियां' और 'Islam and Society' शामिल हैं। उन्होंने किशनगंज में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया और अनेक शिक्षण संस्थाओं की स्थापना की।

श्री मोहम्मद असरारुल हक का निधन 7 दिसम्बर, 2018 को किशनगंज, बिहार में 76 वर्ष की आयु में हुआ।

माननीय सदस्यगण, हम श्री अटल बिहारी वाजपेयी, श्री सोमनाथ चटर्जी, श्री अनन्तकुमार, डॉ. भोला सिंह, श्री एम. आई. शानवास और श्री मोहम्मद असरारुल हक के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं और मैं अपनी और सभा की ओर से शोक-संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करती हूं।

अब यह सभा दिवंगत आत्माओं के सम्मान में कुछ देर मौन खड़ी रहेगी।

11 22 hrs

The Members then stood in silence for a short while

HON. SPEAKER: The House stands adjourned to meet on Wednesday, the 12th December, 2018 at 1100 a.m.

11 25 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Wednesday, December 12, 2018/Agrahayana 21, 1940 (Saka)